शांति प्रिय देश के रुप में है भारत की पहचान

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती उर्मिला सिंह अपने विचार व्यक्त करते हुए। साथ हैं दादी रतनमोहिनी।

शांतिवन। आज भारत भले ही विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा है परन्तु उसकी अंतर्राष्ट्रीय पहचान तो शांति प्रिय देश के रुप में है। आज हम कितना भी विकास कर लें लेकिन सच्चे अर्थ में विकास तभी माना जायेगा जब समाज में शान्ति एवं सद्भावना कायम हो।

उक्त विचार हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती उर्मिला सिंह ने ब्रह्माकुमारी संस्था के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में देश-विदेश से आए हजारों भाई-बहनों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि हमारे देश में हिंसा और अपराध के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे विकास का मार्ग अवरुद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में आपसी भाईचारा एवं एकता की भावना रची बसी है। ब्रह्माकुमारी संस्था की विश्व व्यापी सेवाएं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापन करने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं द्वारा संचालित यह संस्था पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन कर रही है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दैहिक भावनाओं से ऊपर उठकर ही हम भेदभाव की दीवारों को तोड़ पाएंगे। आध्यात्मिक रूप से उन्नत बनकर ही देश को सर्वांगीण विकास की ओर प्रेरित किया जा सकता है।

संस्था के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र.कु.करुणा ने कहा कि शांतिमय दुनिया की रचना एक परमात्मा द्वारा ही संभव है। सृष्टि चक्र का यह महत्वपूर्ण समय है संगमयुग। इस युग में ही परमात्मा आकर सत्य ज्ञान प्रदान कर रहे हैं।

संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र.कु.मृत्युंजय ने कहा कि समाज के सभी वर्गों में मूल्य व समरसता का भाव जागृत करने के लिए मिलकर कार्य करना होगा। आज आवश्यकता है विभिन्न मत-मतांतरों के भेद को समाप्त कर सद्भावना की अलख जगाएं।

ब्र.कु.गंगाधर को 'सनराईज पीस मिशन अवार्ड'

नागपुर। समाज अतुलनीय के सहारे नहीं चलता, अपितु जो अनुकरणीय है उनके सहारे चलता है।

उक्त विचार कुलगुरू डॉ.वेदप्रकाश मिश्रा ने सनराईज पीस मिशन द्वारा आयोजित शांति पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किए। उन्होने कहा कि सम्मानितों का सम्मान समाज को प्रेरणा देने के लिए है, जिससे समाज भी उस नेक राह पर चल सके।

सनराईज पीस मिशन के तत्वावधान में सनराईज पीस अवार्ड, बालरत्न पुरस्कार व योगी मनोहर नवरत्न पुरस्कारों का वितरण किया गया।

पूर्व सांसद बनवारीलाल पुरोहित ने सम्मानित मूर्तियों को समाज का रोल मॉडल बताया और कहा कि चरित्र में निर्मलता और जीवन में नम्रता आवश्यक है।

ब्र.कु.पुष्पारानी ने कहा कि गुणों को परखकर गुणियों का सम्मान करने से समाज का नक्शा बदल जायेगा। स्व-हित की बजाए जो सर्व हिताय कार्य करें वही श्रेष्ठ जन हैं।

सनराईज अवार्ड से सम्मानित ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु.गंगाधर ने कहा कि सकारात्मकता से ओतप्रोत मीडिया ही मूल्यनिष्ठ

ब्र.कु.गंगाधर को 'सनराईज अवार्ड' भेंट करते हुए सनराईज पीस मिशन के संस्थापक डॉ.हरगोविंद मुरारका।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.गंगाधर। मंच हैं ब्र.कु.पुष्पा रानी, कुलगुरु डॉ.वेदप्रकाश मिश्रा तथा अन्य।

समाज के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सनराईज पीस मिशन के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ.हरगोविंद मुरारका ने मिशन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि पीस मिशन का लक्ष्य समाज में शांति व सद्भाव, पर्यावरण सुरक्षा, नि:शस्त्रीकरण, वसुधैव-कुटुम्बकम की स्थापना करना है।

कुलगुरु व शिक्षाविद् डॉ.पंकज चांदे, वैद्यकीय समाज भूषण डॉ.अशोक अढाव, अध्यात्म अन्वेषक ओमशांति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु.गंगाधर तथा पत्रकार सरिता कौशिक को तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सनराईज पीस अवार्ड से सम्मानित किया गया। विशेष अतिथि आय.एम.ए. के राज्य उपाध्यक्ष डॉ.अनिल लद्धड ने पुरस्कार वितरण औचित्य पर प्रकाश डाला। नोबल शांति पुरस्कार समिति के मनोनित सदस्य डॉ.बालकृष्ण कुर्वे व विकलांग आघाड़ी के महामंत्री जयसिंग चव्हाण ने शुभकामना व्यक्त की। वरिष्ठ पत्रकार उमेश चौबे भी मंच पर उपस्थित थे।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश - 1800 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510, फोन - 02974
235036, Enquiry for Membership-9414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHIN/2000/721 LINCENCE TO POST WITHOUT PRE PAYMENT UNDER TECH/W R /47-9/2009-2011 Postal Regd.No.RJ/SRO/9623/2009-2011, Posted at SHANTIVAN P.O.
संपादक:ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, सत्वाधिकार-प्रकाशक:ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। DT. 22nd,24th&10th,12th